Date→ 16.11.2017 (HINDUSTAN)

योगदा आश्रम में जाकर अध्यात्म में खो गए महामहिम

योगदा मठ में राष्ट्रपति

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद योगदा आश्रम में जाकर खो गए। उन्होंने कहा कि यहां के वातावरण और प्राकृतिक दृश्य के बीच अनूठा मेल है। मैं यहां पहली बार आया हूं। मेरे मन में था कि एक छोटा सा मठ होगा। एक मंदिर होगा, लेकिन आने के बाद पता चला कि यह 18-20 एकड़ में है। राष्ट्रपति परमहंस योगानंद की अंग्रेजी में लिखित पुस्तक गॉड टॉक्स विथ अर्जुन का हिंदी अनुवाद ईश्वर अर्जुन संवाद का विमोचन करने यहां पहुंचे थे। उनके साथ राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री रघुवर दास भी थे।

पुस्तक का लोकार्पण करने के बाद राष्ट्रपति ने कहा कि हिंदी में अनुवाद होने से एक बड़े पाठक वर्ग को इसका ज्ञान मिलेगा। उन्होंने कहा कि अध्यात्म भारत की आत्मा है और अब पूरी दुनिया इसे मान रही है। परमहंस योगानंद कि लिखित पुस्तक आटोबायोग्राफी ऑफ योगी अधिकांश लोगों ने पढ़ी होगी।

यह पुस्तक हर किसी को आगे बढ़ने की का मार्ग दिखाता है। योगदा सोसाइटी ऑफ इंडिया के स्वामी चिदानंद और स्वामी स्मरणानंद जी ने स्वागत भाषण किया और सोसाइटी के कामकाज की जानकारी दी। समारोह में बड़ी संख्या में सोसाइटी से जुड़े लोग, आईएएस अधिकारी, राजनीतिक दल से जुड़े लोग शामलि हुए।

01 सौ साल पुराना पेड़ भी देखा राष्ट्रपति ने आश्रम में

18 20 एकड़ में फैले आश्रम के बारे में जानकारी ली

राष्ट्रपति ने योगदा आश्रम में एक पुस्तक का लोकार्पण भी किया। राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू व मुख्यमंत्री भी थे।

भारत की संस्कृति दिखी

योगदा आश्रम में राष्ट्रपति के स्वागत में सभी राज्यों के पारंपरिक वेश में लोग खड़े थे। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के वेशभूषा में लोग थे। आश्रम में प्रवेश द्वार से मुख्य मंच तक इस वेशभूषा में लोग दोनों किनारे खड़े थे। इसमें कई विदेशी भी शामिल थे। राष्ट्रपति ने सभी का हाथ जोड़ कर अभिवादन स्वीकार किया।

भजन में डूबे रहे लोग

राष्ट्रपति के पहुंचने के पहले समारोह स्थल पर संन्यासियों की ओर से भजन प्रस्तुत किया जा रहा था। करीब दो हजार की भीड़ भजन में डूबी रही। भजन का कार्यक्रम करीब एक घंटे तक चला। संस्था से जुड़े लोग तालियों के साथ भजन में साथ दे रहे थे। भीड़ परी तरह अनुशासित रही। संस्था के स्वयंसेवक भी व्यवस्था संभाल रहे थे।